Patrika (Indore), 13th May 2021, Page-7

आइआइटी इंदौर ने निकाला निष्कर्ष

'अगर कोविड पॉजिटिव को मलेरिया भी, तो स्टेरॉयड देने में रखें सावधानी'

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ◆ अगर किसी व्यक्ति को मलेरिया है और वह कोविड पॉजिटिव भी हो जाता है तो उसके इलाज में स्टेरॉयड का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। यह बात आइआइटी इंदौर की एक रिसर्च में सामने आई है। आइआइटी के बायोइंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख डॉ. हेमचंद्र झा ने अपने स्टूडेंट्स ओमकार इंदौरी और बुद्धदेव बराल के साथ ओडिशा के किम्स के प्रो. निर्मल कुमार मोहाकुड और उनकी टीम के साथ मिलकर एक शोध किया। इसमें सामने आया कि अगर मलेरिया से पीड़ित व्यक्ति, जिसे कोविड भी हो जाता है, उसे स्टेरॉयड दिया जाता है, तो ठीक होने की संभावना कम हो सकती है। उस की स्थिति बिगड़ भी सकती है।

डॉ. झा ने बताया, कोविड मरीजों को स्टेरॉयड दिया जाता है, लेकिन हमने अध्ययन में देखा कि अगर मलेरिया पीड़ित व्यक्ति, जिसे कोविड भी है, उसे स्टेरॉयड देते हैं, तो उस पर पर नकारात्मक असर पड़ता है। अध्ययन में पता चला कि दोनों संक्रमण की हालत में बहुत कम समय में स्वास्थ्य की स्थिति बिगड़ सकती है। इसके अलावा, असामान्य न्यूरोलॉजिकल लक्षण भी विकसित हो सकते हैं।

स्टेरॉयड का बिना रिसर्च के ऐसे मरीज को देना उसके लिए घातक हो सकता है। वह व्यक्ति कोमा में भी जा सकता है, इसलिए अगर किसी मलेरिया ग्रसित व्यक्ति को कोविड होता है, तो उसके इलाज में अतिरिक्त सावधानी रखना चाहिए और पूरी जांच के बाद ही इलाज करना चाहिए। वहीं ऐसी जगह जहां मलेरिया के मामले ज्यादा मिलते हैं, वहां कोविड-19 संदिग्ध रोगियों को मलेरिया की जांच भी कराना चाहिए।